

ॐ नमः ४ या वरुणि कारये ॥ न नी उ ग व छी वू जा
 म वि न ॥ ४ ॥ गि त ल व ना व म्य ॥ अ द्या दि ॥ व नां र्त्ति र्य
 दि ॥ अ स्व र्त्ति म लु ला का ली श्या र्त्ति य न र ला सः
 न ॥ ग ल द द मि र्त्ति य न त स्म ॥ ४ ॥ गु रू व न म ४
 गु रू व द्वा गु रू वि ऋ गु रू द व म ह ग्ग र्त्ति गु रू द

वाङ्मयत्सर्वं तस्मै **शुभं नमः** ॥ शायन
मद्विद्युत् **शानमावा** ॥ शानादिधनपादुर्क
॥ यमास्तथपादुर्क ॥ **ने** नृद्यपागस्तथर्ण
इर्क ॥ **ने** नृमास्तथपादुर्क ॥ **ने** नृत्मा
स्तथपादुर्क ॥ **ने** नृत्मास्तथपादुर्क ॥ **ने** नृत्मा
स्तथपादुर्क ॥ **ने** नृत्मास्तथपादुर्क ॥ **ने** नृत्मा

कृष्ण शुभं नमः ॥ कनसाधनं ॥ **ने** नृत्मास्तथपादुर्क
वत्सलस्तथा ॥ **ने** नृत्मास्तथपादुर्क ॥ **ने** नृत्मास्तथपादुर्क
कीर्तुस्तथा ॥ **ने** नृत्मास्तथपादुर्क ॥ **ने** नृत्मास्तथपादुर्क
मायस्तथा ॥ **ने** नृत्मास्तथपादुर्क ॥ **ने** नृत्मास्तथपादुर्क
ककायनमः ॥ **ने** नृत्मास्तथपादुर्क ॥ **ने** नृत्मास्तथपादुर्क

कुं यकीने ॥ न गो आत्म पूजा ॥ ॥ ने ॥ वि
प्रयन पाइ कां ॥ ॥ ने ॥ वि ने व अ द न पाइ कां
॥ ने ॥ या वि ने र स र पै ॥ इ कां ॥ ॥ ने ॥ को नाना
बु ग ल का र पू ष पा इ कां ॥ ने ॥ के सो पा इ
का ॥ ॥ न गो नु न गु द्वि स पू जा ॥ ॥ मालिनी य

॥ ॥ पं व व लि ने या ॥ ॥ म य न स्रा य पा इ कां ॥
आ की कू ल पू ष व ट क ना थ पा इ कां व लि ग ट क
र स्रा हा ॥ ॥ ति व ट क व लि ॥ न रा स्रा य पा इ कां
॥ ने कां की के य पा ना य व लि ग ट क र स्रा हा ॥ ॥ ति
के य व लि ॥ सि हा स्रा य पा इ कां ॥ ने यों यों ॥

मिथ्या वलि गृह २ स्था हा ॥ ॐ ति या नि वलि ॥
न कु या वा म लु य व लि गृह २ स्था हा ॥ ॐ ति
वा म लु व लि ॥ म सा स्ता य पा इ को ॥ ने ग
मा गू (ग) (ग) ग (स) या कू ल ग (न) ग वा व लि गृ
ह २ स्था हा ॥ ॐ ति ग न प ति व लि ॥ श्र वा ह

ना दि ॥ १० ति दे लु या सि वि लु ग उ मू द्रां द र्ग
य ॥ जा द ॥ यां द्रां स्था हा ॥ द्रां द्रां स्था हा ॥ यां यां
निं ह्यां स्था हा ॥ कू स्था हा ॥ गं गं गं स्था हा ॥ १० ॥
मू त ॥ गे य पू त्रं या दि ॥ ॐ ति या य श्र व ल्या
इ त वि धे न स र्व प लि पू र्ण त म म् ॥ ॥ ग्रा स र्व

कनकवाहनादि ४॥ विद्वत् ॥ शान्ति ॥ शास्त्र ॥
 आध्यात्मिकशास्त्रादि ८॥ सिंहासनाय पादुकां ॥ न
 दिवा स्नाय पादुकां ॥ शुक्ला स्नाय पादुकां ॥ निशु
 क्ला स्नाय पादुकां ॥ ध्यान ॥ नमो ॥ नमो ॥ नमो ॥ नमो ॥ नमो ॥
 नाव ॥ नानाधर्मपरादिना दिव्यवस्तुपयिष्य

नां महि खामूत्र गमिनी ॥ किमिदि कृष्णलार्क
 लं केने मनिनी पूने ॥ न लमा ला विविदि
 व ॥ हानमा ला प सा रि ते ॥ अ सा द म उ जा
 का ना पि न व द स ना वृहा ॥ स बी लं का न
 स यु को ग दि ल्का टि स म प रा ॥ ख भ स

सुनस्तथावर्क वक्रादुसधनामुला ॥ वन
दंतमनुरुस्तश्च गूल पाग सुसा रिता ॥ द
किं मनक नातगा यथासा लानथापलन
रुट कधनुरुस्तश्च गदाद्यमसुसा रिता
॥ प्राग्गर्भ निरुस्तश्च खिदाग्मक गद्याग्म

कं विन्दुमद्रागथासिद्धिं सिंहास्रयनि
स्तिता ॥ त्रुधस्तित्वाग्नि त्रिगिर्न महियश्च
महास्रनं ॥ गगोवनिर्नगादेश मदावतपलाक
मं रदय किं गि गूलन विधनासागिना त्रुदा जेव
आत्मा मदाव वि सर्व कामरुतयदा सप्तास्वा ७

सहस्राक्षं खलौ गैः मनुर्कं विना नृपचञ्चलं च
(६) आचञ्चलं नायिका चञ्चलं बलिं श्वेव चञ्चलं
पातिव्रतिका नाचन्तो मूरुषा कृष्णा नीलो मुक्ता
अधर्मिका पीता श्यावा लुनाङ्गुली अतिरक्ता ह
विस्मिता स्वपतिवत्समायुक्ता आयातः ॥ ६ ॥

महल ४॥ ॐ ति क्षानमध्वविचिन्तय ४॥ ॥
 नं ५ नं ६ ना ३ य द ५ उ च व (७) विष्णु
 र्द नी ५ ५ स दा न क २ वां मां ३ स ४ मृष्टु रु
 प पा ३ कां ॥ विष्णु ॥ य ७ म ॥ वली ॥ ५ न म
 मां ६ व ७ वा य ५ न म ५ का पा ३ कां ॥ ५

ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
यति ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
इकां ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

पादकां ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
थायपादकां ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

आ वा ई ॥ ग ऊ नी ॥ द धु ॥ ग उ ॥ या नी वि चू ॥
मू डा ॥ ॐ नि दाल पू जा ॥ ॥ ॐ कौ लौ लौ
लं लौ रं अ (म ग कि रु का य न जा धि फ य पा
इ का ॥ ॥ अ (य ॥ ॐ कौ मा मां मूं मूं मूं मूं य मा य न
धु रु का य न ना धि फ य पा इ ॥ ॐ का ॥ (द कि ॥

(ता ॥ ॐ कौ कौ कौ कूं कूं कूं न म य या य ख म
रु का धि फ य पा इ का ॥ ॥ न म य ॥ ॐ कौ वां
वां वूं वूं वूं वूं न म य पा इ रु का य न ना धि फ
य पा ॥ इ का ॥ ॥ ॐ कौ या या य या
यूं वा य र ध उ रु का य प व ना धि फ य ॥

पाइकी ॥ वायु वा ॥ ॐ को सा हो हं ॥ ॐ सुं कू
व नाय न दा रु साय धि फय पाइ की ॥
कू व न ॥ ॐ को हो हो हं ॥ ॐ सुं कू ॥ ॐ मान
य गि म ल रु साय रु ता धि ॥ फय पाइकी
॥ ॐ मान ॥ ॐ को ॐ ॐ ॐ न ॥ नाय य चक

रु साय नाग धिय पाइकी ॥ न म ल ॥ ॐ को
ॐ ॐ ॐ व द्म (ध प म रु साय ल नी धि फ
य पाइ की ॥ ॐ सा (म ॥ ॐ ति ली क या स पू र्ज
॥ न म उ या दि ॥ ॐ को ॐ उ या य पाइ की
॥ पूर्व ॥ ॐ को ॐ वि ॐ उ या य ३ ॥ अ म

॥ॐ कौं मूँ अजिताय ३॥ वायवा ॥ॐ कौं मूँ
अपला ॥ॐ अजिताय ३॥ नमः ॥ॐ कौं मूँ
उमनी ३॥ यष्टि म ॥ॐ कौं मूँ सुमनी
३॥ ॥ॐ कौं मूँ मोहनी ३॥ उह्व ॥
ॐ कौं मूँ अकरी ३॥ ॐ नमः ॥ अनीव

लि ॥ॐ निवृष्ट म ॥ॐ कौं देसासाय पादः
का ॥ॐ कौं मूँ अनीव ३॥ अनीव ३॥ अनीव ३॥
॥ॐ कौं मूँ अनीव ३॥ ॐ कौं मूँ अनीव ३॥
ये माह अनीव ३॥ अनीव ३॥ ॐ कौं मूँ अनीव ३॥
ॐ कौं मूँ अनीव ३॥ अनीव ३॥ अनीव ३॥

ल॥ ॐ की लो लो लो लो लो ला की नी पाइ का ॥ ने
 मय ॥ ॐ की काँ काँ वूँ वूँ काँ काँ की नी पाइ
 काँ ॥ पञ्चि म॥ ॐ की साँ वूँ साँ सँ मूँ साँ सा
 कि नी पाइ का ॥ वायू व॥ ॐ की हाँ वूँ हाँ दूँ
 मूँ हाँ हा की नी पाइ का ॥ ॐ म त ॥ स्व स्व

मनु भवति ॥ ॐ मित्र की भय ॥ ॥
 ॐ की पृथु निवीयी भय पाइ का ॥ दक्षिण क
 (म॥ ॐ की जाली यी भय ॥ वाम की (म॥ ॐ की
 काम नृपयी भय ॥ आग्र (म की (म॥ ॐ की उडि
 जानयी भय ॥ म (म॥ स्व स्व मनु भवति ॥ ॐ ति

विकाशदजा ॥ ॥ विवाधमल्लमूलमकुंशः
वियांजलि ॥ ॥ ॐ कौं नाजय द कुं उ ग्रव
लुविपूमर्दनी कुं कुं सदावद २ तामां शं स ४
नृत्त्यं नृनपाइ की ॥ विधा ॥ पठ ॥ धर्मवः
लि ॥ सा नय ॥ आ वा ॥ यो नी ॥ विचू सु डा ॥

ASHA ANCHIVES

2152

1

Handwritten text, possibly a title or description, in a rectangular box.

मर्त्य ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ दास्यते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

यिकाये वेषू वी अम्मा ३॥ जेँ जेँ को ०० व छिनी
वा ना ही अम्मा ३॥ जेँ जेँ को जेँ जेँ व सु वर्ये ००
दुयनी अम्मा ३॥ जेँ जेँ को जेँ जेँ व सु तूया ये
वा मूछा अम्मा ३॥ जेँ जेँ को जेँ जेँ ४ तू नि व अये
महा लक्ष्मी अम्मा ३॥ ध्यान वलि ॥ जेँ जेँ को ००

सिद्धि वा मूछा ये पा ३ का ॥ वलि ॥ आस ॥ सि हा
लाय पा ३ का ॥ महिषासुराय ३॥ शुक्रासुराय ३॥
निशुलासुराय ३॥ त्रिया ३॥ जेँ जेँ को नो ज
यद ३॥ उय व छि वि पू म दी नी ३॥ ३॥ सदा
नद ३॥ त्वामी शं स ४ म यूरु ह य पा ३ का ॥

पूजायामिनमः ॥ **ध्या ॥** **म ३ ३ ॥** **आ वा ३ ॥** **यो**
नी विन्दु मूडा ॥ **ग र्धन ॥** **सा अ य ॥** **वलि ॥** ॥
ॐ **गि दा गै ल पूजा ॥** ॥ **अथ स त्रि ष्ट पूजा**
॥ ॥ **आ ल ॥** **न रु ध ना स ना य पा द कां ॥** **ॐ ॐ ॐ ॐ**
इ म्भ्र म्भ्र य पु ण ल खा द ना य पा द कां ॥ **गि**

ध्या ॥ **वलि ॥** **पू न लि या स पूजा ॥** **ॐ ॐ ॐ ॐ** **ध नू ३**
म थि य न स श्च मा ना ये न म ॥ **गि ध्या ॥** **वलि ॥**
अथ य ३ **वा स पूजा ॥** **ॐ ॐ ॐ ॐ** **य ३** **वा स ये**
न म ॥ **गि ध्या ॥** **वलि ॥** **सा अ य ॥** **वलि ॥** **आ वा ३**
॥ **था नि वि नू मू डा ॥** **ग र्धन ॥** **ॐ** **गि स त्रि ष्ट नि**

पापक्षयदानमृजा॥ गतासि का शिवूजा याय मा
त्र॥ गता वलि विय॥ नैक यक्षु र्वक्ष मा हा मा
सा ह्यादि॥ निद्रा द श्रया॥ लाक न हान वसि॥ ग
ता मोरु नीयूजा॥ धूप॥ दीप॥ नैव द्य॥ जाय न
काज॥ ॥ श्री सवका नाक॥ नैवा ना शक्ति मूल

॥ नैव नानसूत्र॥ महा माय॥ वीरूजी॥ नकाः
नव॥ रुकाशा॥ वूका ह्याति॥ निरु क रु कय
दय रुश॥ यथा वान॥ देव या ना म का स्य धून
क॥ वाय या य॥ रु मा मुनि॥ वी न धु मा ह्यादि॥
नका नक॥ अ न्य दूव॥ वूय पूजा॥ यक्षु जा ग

॥ अत्र ग्वय द्वाय ॥ समय द्वाय ॥ विनय माय
 अक्षयिं सति ॥ अविनाय ॥ जय निकालादि ॥
 ॥ ॥ कनं व युजा ॥ ॥
 जयमान दक्षिणादि यावत् ॥
 न्यास त्रिकाय ॥ ॥



॥ उग्र व अंया ॥ नें न जया श्व विरुया ॥ श्वे व न
 य नि वा य ना कि ना ॥ नं डा ह डा ज या रि मा क
 ला ॥ श्वे वा रु का स्मि ना ॥ दि या यो ग्नि महा याः
 नि सिद्ध या ग्नि न ॥ श्व वी ॥ स कि नी का ल वा
 जी व उद्ध के गी नि सा क रि ॥ ग म्ही रा धा य ना

वायु वेग मर्यादना ॥ उष्ण श्व वे पूवी को डी
चित्र का नी श्वत्री गथा ॥ वा रा ही ना व सिं
ही व मि वा ड नी व तु ष ष्टिका ॥ ॐ दं द या म्
हा या नि व लि ग रुं नु मं स दा ॥ डी व तु ष ष्टि
या नि नी खी व लि ग रुं २ सर्व सा नि क नर

सर्व विष्ठी वी ना म्भय सर्व ला ग प्र य नि
क रु २ ॐ दं पू ष्यं ष ष दी पं प्र ति सा नं ग
क रु २ रुं ३ स्था हा ॥ ॥ नि व तु ष ष्टि या
नि व लि ४ ॥ ॥

एषा हि म मे न पू गा ४ ॥ ना सिय ॥ अखलु
मल्ल ला का वं या दि ॥ न्या स ॥ **ॐ** **कां** रं नू मा
य रुट ॥ **ॐ** **कां** रं क नि क्षाय न म ॥ **ॐ** **कां** रं
जु ना मि का य स्या रु ॥ **ॐ** **कां** रं म ध्य मा य
वी षट् ॥ **ॐ** **कां** रं न ऊ न्या य दू ॥ **ॐ** **कां** रं

जु ङ्गु क्षाय व षट् ॥ **ॐ** **कां** रं नू मा य रुट् ॥
ॐ **मि** क न न्या स ॥ ए वं नू ङ्ग न्या सं का न य न
॥ उ ल या ग यू जा ॥ म य नी ॥ **ॐ** **कां** रं हि र वा ना
आ य वि द्म रु स्य ङ्ग न्या य धी म रु न नी नू ड
य वी द या न् ॥ अ र्थ या ग यू जा ॥ रु न ङ्गु हि ॥

आत्मयुक्ता ॥ मालनीय धनु ॥ पञ्चवली द
शान् ॥ ७ ॥ श्रीमद्वली आवाहन ॥ निवेद्ये ॥
नवास्त्राय पादुकां ॥ मयूनास्त्राय पादु
कां ॥ मृगसस्त्राय पादुकां ॥ ॐ ॥ नैयुक्ते
न दायदनुना देवी धूमिधनकृणुपालया

दुकां ॥ श्रीं ॥ कूलयुगवटुकनाथ पादुकां
॥ गंगीय ॥ (गंगीय ॥) कूलगलसस्त्राय पादु
कां ॥ यांथास्त्राय पादुकां ॥ आवाहन ॥ मृडा ॥
दधुगङ्गीनी गङ्गामृडा ॥ ॥ नैयुक्ते ॥ आवा
लक्षिकि पादुकां ॥ ॥ नैयुक्ते ॥ मलयगस्त्राय ३

ध्यान ॥ उशदादिलसंकाही रुजवत्तम
विनी गदायुधकर्नदवी नलीमंचिनया
मि ॥ नका कूल्हाणि नंगाच नका कीका ध
नूय धृक । वीनि निऊी न नैयूर्य पाधुवंग
स्म नाम्यहं ॥ ॐ नि ध्यानवूय नमः ॥ मूल

मनुनयिया ॐ ॥ ॐ जां हां ही हूं हूं हो हूं
४ सी मना ॥ ६ धेना म हा हे न वाय नमः ॥
षष्ठं ॥ वलि ॥ ॐ जां हां सा सनाय यादकां ॥
८ ॥ ॐ जां गुही गा हूं हे न वाय वक्तायणी
हाकि सहि गाय यादकां ॥ ॐ जां नू नू हे न व

य मा हृद्वत्री ग कि स ना य पा इ कां ॥ **कुं**
जाँ वलु रं न वा य को मा त्री ग कि स हि ना
य पा इ कां ॥ **कुं जाँ** को ध रं न वा वे पू वी ग
कि स हि ना य पा इ कां ॥ **कुं जाँ** उ म रु रं न र्व
य वा ना हि ग कि स हि ना य पा इ कां ॥ **कुं**

जाँ क पा लि स रु न वा य उ डा ली ग कि
स हि ना य पा इ कां ॥ **कुं जाँ** ली ष ष रं न वा
य वा म ल्ग ग कि स हि ना य पा इ कां ॥ **कुं**
जाँ सं हा न रं न वा य म हा ल श्री ग कि स
हि ना य पा इ कां ॥ **ख** स म नु न व लि ॥ **ख**

ध्या ॥ वज्र ॥ वलि ॥ ॥ रुद्र का क पूजा ॥
 आम्न ॥ आध नमस्तुति ॥ ॥ श्री श्री श्री मर्ह
 विष्णु का रिती ॥ श्री श्री महात्मनि ॥ श्री श्री म
 हात्मन रुमिनी सा नि क न ॥ ॥ नमः ॥
 वलि ॥ आवाद्य यानि मूडा ॥ ॥ खडार्क
 क पूजा ॥ आम्न ॥ आध नमस्तुति ॥ ॥ श्री श्री क

छलिनी महारुगिन्ने **ॐ** रुरु दूखाहा ॥ वः
लि ॥ आ वा श्र यानि मूडा ॥ न रात्माय पाइ
कां ॥ ह दु का दि १० ॥ **ॐ** **ॐ** ह दु क ले न वा इ
ॐ **ॐ** णि पू रा न्क क ॥ **ॐ** **ॐ** अग्नि वे गान
ॐ **ॐ** अग्नि रि क्षा त ॥ **ॐ** **ॐ** का ला कर
ॐ **ॐ** क रा लिन ॥ **ॐ** **ॐ** न क या द ॥ **ॐ**

ॐ क्रीं हूं हों हं ॥ श्री म नारायण नमः
हे नारायण नमः ॥ गिरि यात्रा लि ॥ षष्ठं
वलि ॥ आवाध गंगा पूजा ॥ ॥ दीपति
पूजा ॥ भवास्ताय नमः ॥ कथा दि ॥ ॐ
क्रीं मां श्री दीपति देवार्थ नमः ॥ गिरि
यात्रा लि ॥ षष्ठं वलि ॥ आवाध

थानि मूडा ॥ ॥ थडा कू का नय ॥ धूप ॥
दीपा ने वद्य ॥ काप ॥ भोग ॥ श्री सवला
ना हा क ॥ ॐ या भ भक्ति भूत ॥ भोग सक
र्म वा न ॥ मार्ग नां विधि ह का नं पा लु
वानां सि रा मनि ॥ को ल वा मान सं हा न म
द हं डा प ती प्रिय ॥ हि म व र्नि लि रा क

लु भू मलुल वासिनं । केलाभ मिखना
भीनं दवदवं नमा म्यदं ॥ सिन्दूर वलु
भंकाभी काटि सुय समपुतं । ही मानन
महा नं नं वन्द हं मानवा चितं ॥ गगध
नमहा काय भुना मानखलुनं । नवना
गसहस्राणि वादूवीर्य नमा म्यदं ॥ न

नन्ध वासितं नित्यं वदू का नां वि (अषन
। हया नि हन्य नं ये न नं नो मिमद्य नू पि
नी ॥ नकू वीउ महा देय कव कवल मर्द
नं । विलाट नगल पूर्व नन्न मामिमहस्य
नं ॥ अद्या ननू पकं वं व ही मस्य महात्मना
यः प ० किन वा शुभं नं वां रुड रु विषय